

पुराने बांधों की सफाई

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिये गए निर्देशों के अनुरूप [अमृत महोत्सव](#) के तहत देश में पहली बार बांधों की मशीनों के ज़रिये सफाई की जाएगी।

प्रमुख बंदि

- गौरतलब है कि बांधों की सफाई (डिसिल्टिंग) को लेकर विशेषज्ञों के मध्य इसकी उपयोगिता एवं आर्थिक वहनीयता को लेकर मतभेद हैं, जिससे बड़े-बड़े बांध दशकों पुरानी संरचना मात्र बनकर रह जाते हैं। ऐसे में बांधों की सफाई का यह निर्णय अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।
- बांधों की सफाई का यह कार्य पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मध्य प्रदेश की **बरगी तहसील** में बनी **रानी अवंतीबाई लोधी सागर परियोजना (बरगी बांध)** से प्रारंभ किया जाएगा। इस कार्य के लिये **हाइड्रोलॉजिकल प्रेशराइज्ड सिस्टम** का प्रयोग किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि **बरगी बांध का निर्माण नर्मदा नदी** पर किया गया है। इसकी सफाई किये जाने से नर्मदा नदी पर निर्मित अन्य बांधों, जैसे- महेश्वर, आंकारेश्वर, इंदिरा सागर एवं सरदार सरोवर बांध को भी फायदा होगा।